K–942

Total Page No. : 2] **[Roll No. .....**

MAJY-201

M.A. (Jyotish) IInd Year Examination Dec., 2023

होराशास्त्र एवं फलादेश विवेचन

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 70

नोट :- यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

(खण्ड–क)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :- खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. सूर्यादि ग्रहों का परिचय देते हुए, स्वरूप का विवेचन कीजिये।

2. ग्रहों के नैसर्गिक, तात्कालिक तथा पंचधा मित्रामित्र पर टिप्पणी लिखिये।

3. षड्वर्ग से क्या तात्पर्य है ? शास्त्राधारित सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

4. जातकपारिजात ग्रन्थानुसार सूर्यादिग्रहों की अवस्थाओं का फल लिखिये।

5. अरिष्ट से आप क्या समझते है ? पितृकारक एवं मातृकरक अरिष्टयोगों का वर्णन कीजिये।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :- खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्रों का परिचय देते हुए, उनके स्वामियों के नाम लिखिये।

2. चर-स्थिर-द्विस्वभाव राशियों का स्वरूप विवेचन कीजिए।

3. कारक से क्या तात्पर्य है ? आत्मादि कारक का प्रतिपादन कीजिये।

4. ग्रहों के उच्चानीच का स्पष्ट लेखन कीजिये।

5. ग्रहों की अवस्थाओं पर टिप्पणी लिखिये।

6. अरिष्ट योग का निदान कैसे किया जाता है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिये।

7. मृत्युकारक योग का वर्णन कीजिये।

8. आयु विचार कैसे किया जाता है ?

****